Fact Check : लॉकडाउन में भूख के कारण हुई थी 70 साल के बुजुर्ग की मौत? सड़क पर पड़ा था शव

लॉकडाउन में भूख के कारण हुई थी 70 साल के बुजुर्ग की मौत? सड़क किनारे पड़ा था शव

By: Faiz
Published: 29 Apr 2020, 05:30 PM IST Bhopal, Bhopal, Madhya Pradesh, India

Fact Check : लॉकडाउन में भूख के कारण हुई थी 70 साल के बुजुर्ग की मौत? सड़क पर पड़ा था शव

भोपाल/ मध्य प्रदेश में कोरोना वायरस बहुत तेजी से अपने पांव पसार रहा है। मौजूदा आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में अब तक 2387 कोरोना के पॉजिटिव मरीज सामने आ चुके हैं, जबकि मृतकों की संख्या 120 पार कर चुकी है। ये हालात उस समय हैं जब केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा देश-प्रदेश में लॉकडाउन किया गया है। संक्रमितों का लगातार तेजी से बढ़ता आंकड़ा उस समय का है, जब पूरा देश अपने घरों में कैद है। फिर जरा सोचिये कि, अगर लॉकडाउन न किया गया होता तो हालात क्या होते? यानी कुल मिलाकर संक्रमण का फोरी बचाव लॉकडाउन करके सोशल डिस्टेंसिंग को मेंटेन रखना है, ताकि इसका प्रभाव बड़ी आबादी तक पहुंचने से रोका जाए। लॉकडाउन लोगों को संक्रमण से बचाने का तो बेहतर तरीका है, लेकिन इसका विपरीत असर कई गरीब-मजूदरो पर पड़ रहा है।

पढ़ें ये खास खबर- विचलित कर देगी तस्वीर : लॉकडाउन में भूख के कारण 70 साल के बुजुर्ग की मौत, सड़क पर पड़ा था शव

क्या था बुजुर्ग की मौत का कारण?

MP/CG लाइव टीवी

खबरें शानदार 1 /12

Corona ने ले ली भारत के सबसे मशहूर ज्योतिषी Bejan Daruwala की जान, तस्वीरों में देखें अब तक का सफर

Live Desk और पढ़ें

- क्षेत्र में थी पानी की परेशानी, खोद डाला घर के आंगन में कुआं
Khandwa 5 hours ago
- IIT मद्रास की मदद से ओडिशा की चिल्का झील में बढ़ी इरावडी डॉल्फिनों की संख्या
Chennai 5 hours ago
- 1 जून से नई व्यवस्था : कोविड-19 संबंधी

संबंधित वीडियो और पढ़ें

जयपुर: 25000 से ज्यादा व्यापारियों को लेकर आई बड़ी

अपनी ईमेल पर पायें ताज़ा ख़बरें

Email Address

पत्रिका LIVE TV

इंडिया CORONAVIRUS राज्य मनोरंजन खेल विश्व शिक्षा ऑटोमोबाइल गैजेट बिजनेस स्वास्थ्य धर्म/ज्योतिष पत्रिका प्लस वीडियो तस्वीरें EPAPER

दस का दम हॉट ऑन वेब अजब गजब विज्ञान और तकनीक विचार ENGLISH NEWS जॉब्स मुद्दा फैक्ट फाइंडर गेम्स

भोपाल की एक विचलित कर देने वाली फोटो वायरल होने लगी। तस्वीर के साथ ये दावा किया जा रहा था कि, ये बुजुर्ग भीख मांगकर गुजारा करता था, लॉकडाउन के चलते खाना न मिलने के कारण इसकी मौत हो गई।

पढ़ें ये खास खबर- Corona Breaking : मध्य प्रदेश में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या हुई 2387, अब तक 120 ने गवाई जान

पुलिस से मिली जानकारी

पत्रिका ने इस फोटो की पड़ताल की तो सामने आया कि, फोटो में मृत अवस्था में सड़क किनारे पड़ा बुजुर्ग शहर के बीचों बीच नादरा बस स्टेंड से रेलवे स्टेशन मार्ग पर लोगों से मांगकर अपना गुजारा किया करता था और इसी इलाके में किसी फुटपाथ या सड़क के किनारे पर रहता था। हालांकि, पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर उसे शहर के हमीदिया अस्पताल पहुंचवा दिया था, जिसकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आना फिलहाल बाकी है। पुलिस के मुताबिक, क्योकिं अब तक शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं आई है, इसलिए स्पष्ट तौर पर ये कहना संभव नहीं है कि, बुजुर्ग की मौत का कारण क्या था।

पढ़ें ये खास खबर- बैंक हॉलिडे : मई में 10 दिन बंद रहेंगे बैंक, RBI ने जारी की छुट्टियों की लिस्ट

इस वजह से गई बुजुर्ग की जान

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुजुर्ग हमेशा बस स्टेंड से रेलवे स्टेशन के बीच मार्ग पर भीख मांगकर अपना गुजारा किया करता था। कुछ लोगों ने तो यहां तक बताया कि, जब से लॉकडाउन लगा है, तभी से उसके सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया था। क्योंकि, बस स्टेंड से लेकर रेलवे स्टेशन तक न तो कोई सवारी थी, जिससे वो भीख मांगता और न ही शहर भर में कहीं कोई खाने पीने की होटल खुली थी, जहां से भोजन मांगकर वो अपने पेट की आग को बुझा पाता। एक दो दिन में कोई भला मानस उसे कुछ खाने को दे देता तो सड़क के किनारे फुटपाथ पर पड़े रहकर खा लेता। पर बुजुर्ग हाथ पेरों में इतनी जान कहां थी कि, दो-तीन दिनों के भीतर मिलने वाले कुछ खाने के जरिये हाथ-पैरों के लिए कुछ दम भर पाता।

पढ़ें ये खास खबर- #CoronaWarrior : ये हैं COVID-19 के सुपरहीरो, इनके बिना कोरोना से नहीं जीती जा सकती जंग

करने के लिए कुछ नहीं था। उसने बताया कि, बीते तीन दिनों से तो बुजुर्ग उसी जगह पर पड़ा था, जहां से आज पुलिस उसे मृत अवस्था में उठाकर ले गई हैं। अब वो मरा कब होगा, ये तो पुलिस और जांच करने वाले डॉक्टर ही जानें।

पढ़ें ये खास खबर- 'कोरोना मरीजों के लिए 'संजीवनी' है प्लाज़्मा थेरेपी', जानिए क्यों है ये खास

महत्वपूर्ण है ये जानकारी

फिलहाल, बुजुर्ग की मौत ने तो शायद उसकी पीड़ा को खत्म कर दिया, लेकिन इस लॉकडाउन के कारण ऐसे कई लोग हैं, जो लगभग ऐसी ही पीड़ा का सामना रोजाना कर रहे हैं। सवाल ये है कि, जिन जिम्मेदारों के पास सड़क से वाहन लेकर गुजरने वाले हर शख्स का रिकॉर्ड है, किस इलाके में कितने कोरोना संक्रमित और कितने अन्य बीमारियों से ग्रस्त लोगों का रिकॉर्ड है, शहर की सीमा में किस व्यक्ति ने कहां से प्रवेश लिया है इसका रिकॉर्ड हैं, तो फिर ऐसे गरीब, मांगकर गुजारा करने वालों का कोई पुख्ता रिकॉर्ड क्यों नहीं है। अब वो बुजुर्ग भीख मांगकर गुजारा करने वाला गरीब था, ये सोचकर उसकी मौत को नज़रअंजाद तो नहीं किया जा सकता न, वो भी एक इंसान ही था।

coronavirus | Fact Check | Fact check by Patrika | fact check stories | fact checking | Fact Finder | Show More

Faiz

और पढ़े

RELATED STORY

- क्वारंटीन के लिए आपको कोई कहीं नहीं ले जा सकता,अगर कोई जबरदस्ती करता है तो मुझे फ़ोन लगाए: कांग्रेस विधायक
- Corona Breaking : मध्य प्रदेश में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या हुई 7453, अब तक 321 ने गवाई जान
- वो खतरनाक वायरस जो कोरोनावायरस से भी ज्यादा मचा चुके हैं तबाही
- कोरोना के 48 हजार केस आ सकते हैं, शुरू हुई बड़े पैमाने पर तैयारी
- Steam Therapy : भाप लेने से कोरोना वायरस से बचा जा सकता है? यहां जानें सच
- लॉकडाउन के बाद बदल जाएंगे प्राइवेट कैब कंपनियों के नियम, ऐसी होगी नई व्यवस्था

अब पाइए अपने शहर (Bhopal News in Hindi) सबसे पहले पत्रिका वेबसाइट पर | Hindi News अपने मोबाइल पर पढ़ने के लिए डाउनलोड करें Patrika Hindi News App, Hindi Samachar की ताज़ा खबरें हिदी में अपडेट पाने के लिए लाइक करें Patrika फेसबुक पेज

© 2020 Patrika Group